मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

जुलाई, 2020 खंड- 1 अंक- 1

कुलपति महोदय का संदेश :

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि नवगठित प्रकाशन समिति ने अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में मासिक ई-समाचार पत्रिका के प्रकाशन के लिए समयबद्ध रणनीति बनाई है ।मैं आशा करता हूं कि, यह प्रयास सभी हितधारकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा| जैसा कि मैं हमेशा कहता रहा हूं, शिक्षकगण विश्वविद्यालय की नींव होते हैं और उन्होंने फिर से मध्य सेमेस्टर परीक्षा को ऑनलाइन सुचारू रूप से संचालित करके इसे सिद्ध कर दिया है और अब वार्षिक अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा के ऑनलाइन संपादन हेतु उन्होंने पर्याप्त अनुभव भी हासिल कर लिया है| बिहार में प्रवासी श्रमिकों की वापसी तथा उनके पुनर्वास एवं रोजगार विश्वविद्यालय के लिए गहरी चिंता का विषय रहा है| उसी क्रम में विश्वविद्यालय ने कुछ व्यावहारिक तथा तकनीकी कार्यों का प्रस्ताव रखा है | इसमें श्रमिकों को उनके कौशल और अनुभव के आधार पर भूजल पुनर्भरण , वर्मीकम्पोस्टिंग, मशरूम और शहद उत्पादन तथा प्रसंस्करण , बकरी और मुर्गी पालन , मृदा परीक्षण और कृषि यंत्रो के मरम्मत एवं रखरखाव आदि जैसे कृषि कार्यों में रोजगार सृजन किया जाना प्रस्तावित है। मैं विश्वविद्यालय के अनुसंधान परिषद की बैठक में प्रस्तुत प्रवासी श्रम से संबंधित अनुसंधान प्रस्ताव की भी सराहना करता हूं। इस कठिन समय के दौरान मैं सभी हितधारकों को कोविड -19 महामारी से सुरक्षित एवं स्वस्थ रहने की कामना करता हूं।

कुलपति महोदय की संलग्नता :

अनुसंधान परिषद् की बैठक-कुलपति महोदय ने 8 वीं अनुसंधान परिषद् बैठक की अध्यक्षता करते हुए 6 विभिन्न दिनों (11th,16th-20th जून 2020 तक) में लगभग 24 घंटे की उपस्थिति के दौरान विश्वविद्यालय में चल रही परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट का गंभीर रूप से मूल्यांकन कर उनमे सुधार करने का सुझाव दिया। उनके सर्वांगीण अनुभव का उपयोग समसामयिक ज्वलंत विषयों / समस्याओं के समाधान हेतु नई परियोजनाओं को अंतिम रूप देने में भी किया गया। कोविड -19 महामारी की वजह से, आवश्यक सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए शाम के समय खुले सरस्वती उद्यान में अनुसंधान परिषद की बैठक आयोजित की गई।

वरिष्ठ अधिकारी बैठक- माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शैक्षिक सत्र पूरा करने , कोविड -19 महामारी के विपरीत विश्वविद्यालय में सुरक्षित काम करने के माहौल बनाने, किसानों की मदद , और प्रवासी श्रमिकों की रोजगार क्षमता का विस्तार करने जैसे विषयों पर विभिन्न बैठकों एवं विचार-मंथन सत्रों का आयोजन कर व्यापक चर्चा की गई ।

बैठक / व्याख्यान / वेबिनार

- NAAS, नई दिल्ली द्वारा 05 जून 2020 को आयोजित 'कोविड -19 का कृषि में प्रभाव एवं नए मानदण्डों' पर पैनल डिस्कशन में भाग लिए:
- 11 जून 2020 को बिहार में कोविड -19 के कारण उत्पन्न होने वाली स्थिति से निपटने के लिए कार्य योजना , खरीफ के मौसम की तैयारी और विश्वविद्यालय द्वारा इस सम्बन्ध में उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों पर माननीय डॉक्टर प्रेम कुमार, कृषि मंत्री, बिहार सरकार के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक में भाग लिए।
- 24 जून 2020 को ऑनलाइन मोड में जल प्रबंधन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना पर महानिदेशक, भा.कृ.अनु.परि., नई दिल्ली के दिए गए सम्बोधन में भाग लिए।
- 24 जून 2020 को सचिव, कृषि, बिहार सरकार की अध्यक्षता में "जलवायु समर्थ कृषि" पर आयोजित संचालन समिति की बैठक में भाग लिए।

- आई. एस.ए. ई .(IASE) द्वारा 25 जून 2020 को आयोजित एक वेबिनार " पूर्वी क्षेत्र में जल धारण जलमृत प्रबंधन" को संबोधित किया।
- 26 जून 2020 को आई. एस.ए. ई .(IASE) की 94 वीं वार्षिक आम सभा में भाग लिया।
- 29 जून 2020 को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्-केंद्रीय मत्यस्की शिक्षा संस्थान, मुंबई की शैक्षणिक परिषद की बैठक में भाग लिए।
- वित्त और लेखा पर भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के नियामक-मंडल की स्थायी उप-समिति की 29 जून 2020 को 16 वीं बैठक में भाग लिए। 29 जून 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की नियामक-मंडल की 250 वीं बैठक में भाग लिए।

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियां :

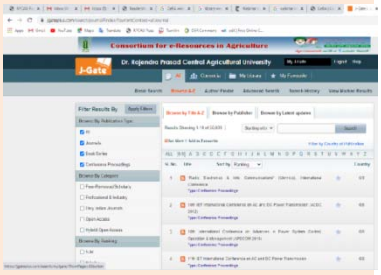

विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक परिषद की चौथी बैठक में, तीन नए पीएचडी और दो मास्टर डिग्री प्रोग्राम शुरू करने को मंजूरी दी है। डॉक्टरेट डिग्री प्रोग्राम कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग, खाद्य और पोषण,एवं प्रसंस्करण और खाद्य इंजीनियरिंग के विषयों में होंगे। मास्टर डिग्री प्रोग्राम बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी , एवं कपड़ा और परिधान डिजाइनिंग के विषयों में शुरू किया जाएगा।

वर्तमान कोविड -19 महामारी के मद्देनजर, विश्वविद्यालय इंटरनेट आधारित तकनीकों जैसे WhatsAPP, Google Classroom और Google Meet इत्यादि विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से शिक्षण व्याख्यान एवं सामग्री का वितरण कर वर्तमान शैक्षणिक सत्र / सेमेस्टर को जारी रखे हुए है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की प्रश्नोत्तरी और मिड-टर्म परीक्षाएं व्हाट्सएप के माध्यम से सफलतापूर्वक पूरी की गईं। इसी तरह, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पीएचडी छात्रों की व्यापक वाइवा-वॉयस परीक्षाएं भी आयोजित की गईं।

जे-गेट @ सेरा वेबिनार :

विश्वविद्यालय पुस्तकालय के द्वारा 30 जून 2020 को कोविड-19 वातावरण में अद्यतन पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्विद्यालय, पूसा के शिक्षकों, छात्रों और उपयोगकर्ताओं के लिए "न्यू जे-गेट @ सेरा" पर एक वेबिनार का आयोजन किया जिसमे प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ के भाग लिया।

अनुसंधान :

- 8वीं अनुसंधान परिषद खरीफ 2020 की बैठक का उद्घाटन 11 जून, 2020 को माननीय कुलपति द्वारा खुले स्थान में किया गया। जिसमे कुल 60 विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजनाएं, 22 समन्वित परियोजनाएं, 12 नए परियोजना प्रस्ताव और उत्कृष्ट अग्रिम अनुसंधान केंद्रों के विजन दस्तावेज प्रस्तुत किए गए तथा विस्तृत चर्चा की गई। अरहर और रागी में प्रत्येक की एक-एक किस्म क्रमशः राजेंद्र अरहर -2 और राजेंद्र मडुआ -1 को जारी करने की सिफारिश की गई। अरहर लगाने की द्वीपंक्ति विधि और भूजल पु-नर्भरण सह ड्रेनेज यूनिट की दो प्रौद्योगिकियों को जारी किया गया। दो निजी कंपनियों के संकर धान सुधा (एग्रीजनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेडडेल्टा) यस 4001 (एनके 14722) (सिन्जेंटा इंडिया लिमिटेड को अनुसन्धान परिषद् ने राज्य वैरायटी रिलीज़ कमिटी (SVRC) द्वारा बिहार में रिलीज़ करने के सिफारिश की।

- चारे एवं स्माल मिलेट (मोटे अनाज) की अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की वार्षिक बैठक/ कार्यशाला में उनके प्रधान अन्वेषकों एवं उनकी टीम के अन्य सदस्यों ने ऑनलाइन मोड से सहभागिता किया ।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों /शिक्षकों द्वारा कुल पंद्रह शोध-लेख प्रकाशित किए गए।
- विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों/ शिक्षकों ने अपनी व्यावसायिक क्षमता बढ़ाने हेतु विभिन्न ऑन-लाइन पोर्टलों के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार और रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों में भाग लिया।
- आंचलिक अनुसन्धान एवं प्रसार सलाहकार समिति (खरीफ) की जोन 01 की बैठक का आयोजन तिरहुत कृषि

महाविद्यालय ढोली के द्वारा दिनांक 06 जून 2020 को आयोजित किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकारियों और वैज्ञानिकों के साथ बिहार जोन 01 के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों और प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

- मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन पर एक्सपेरिंसिअल लर्निंग प्रोग्राम (ELP) के अंतर्गत स्नातक (कृषि) के छात्रों के लिए मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन पर तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में **(ELP)** स्थापित किया गया। जून माह, **2020** के दौरान, जामुन शहद का लगभग 150 किलोग्राम उत्पादन हुआ जिसकी बिक्री चल रही है।

- कंद की फसलों की अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की 20 वीं एजीएम (10 -12 जून 2020) के माध्यम से याम बीन प्रविस्टी के रिलीज़ करने की सिफारिश की गई|
- **TYb14-9 (DPH-6)** के रूप में कोडित ढोली की प्रविष्टि की **आई.ई.टी., यू.आर.टी.,** और **एम.एल.टी.** ट्रायल के उपरांत बिहार में इसे रिलीज़ करने की सिफारिश की गई है। इसमें एक लम्बा शंक्वाकार कंद होता है जिसमें कंद त्वचा का रंग पीले रंग का और गुदा मलाईदार सफेद रंग का होता है, जो पीला मोजेक रोग विरोधी होता है। इसकी औसत उपज लगभग **36** टन प्रति हेक्टयर है।
- बिहार सरकार द्वारा "बीज उत्पादन के मानकीकरण और संकर धान के भागीदारी बीज उत्पादन कार्यक्रम" के रूप में एक नई **आर.के.भी.वाई**. परियोजना को मंजूरी दी गई।
- गन्ना अनुसंधान संस्थान पूसा ने मिलियन रुपए एस.आर.आई.ऍम.आर (**SRIMR**) मॉडल विकसित किया है जो विभिन्न अन्तःफसली फसलों (आलू, धनिया, सौंफ आदि) के साथ गन्ना उत्पादन की लाभप्रदता को दर्शाता है। उत्पादित गन्ने का उपयोग विभिन्न मूल्यसंवर्धित उत्पादों से समृद्ध गुणवत्ता वाले गुड़ उत्पादन के लिए किया जा सकता है। इस पर कुल लागत रूपए **5** लाख / हेक्टेयर और इससे कुल सकल आय **16** लाख रूपए/ हेक्टेयर होता है। इस प्रकार इससे 11 लाख रूपए प्रति हेक्टेयर की शुद्ध बचत हो सकती है।

कृषि प्रसार:

विश्व पर्यावरण दिवस कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली में मनाया गया:

5 जून **2020** को समस्तीपुर जिले के पातेपुर गाँव में कृषि विज्ञान केंद्र , बिरौली द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, जलवायु समर्थ कृषि अन्तःक्षेप पर एक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया , जिसमें **25** से अधिक किसानों व अन्य हितधारकों ने भाग लिया। इस समारोह को मनाने के लिए वृक्षारोपण भी किया गया।

धान -गेहूं की फसल प्रणाली से कृषि विज्ञान केंद्र में उत्पादकता बढ़ाने का नया कीर्तिमान

सुनिश्चित सिंचाई और समय पर बुवाई के माध्यम से धान -गेहूं की फसल प्रणाली की उत्पादकता बढ़ाने के लिए हाल के शोध को विश्वविद्यालय के 17 कृषि विज्ञान केंद्र (01 एनजीओ कृषि विज्ञान केंद्र) के माध्यम से किसानों के 255 एकड़ प्रक्षेत्र में बढ़ाया जा रहा है। 30 मई के आसपास बोई जाने वाली धान की फसल अक्टूबर के आखिरी सप्ताह तक काट ली जाएगी, जिससे गेहूं की बुवाई के लिए समय पर खेत खाली हो जाएगा। यह गेहूं टर्मिनल हीट एवं अप्रैल के पहले पखवाड़े में संभावित ओलावृष्टि से बच जाएगा। यह तकनीक चावल-गेहूं की फसल प्रणाली को जलवायु के दुष्प्रभावों से बचाएगा और इससे बदलते जलवायु परिदृश्य में भी 10 टन प्रति हेक्टेयर का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकेगा।

एनआईसीआरए के गांव अफौर, सारण में ग्राम जलवायु जोखिम प्रबंधन समिति की बैठक

विलेज क्लाइमेट रिस्क मैनेजमेंट कमेटी (वीसीआरएमसी) की बैठक 10 और 29 जून, 2020 को कृषि विज्ञान केंद्र सारण के ए न.आई.सी.आर.ए. गांव अफरौर में आयोजित की गई। जलवायु प्रतिरोधी कृषि प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और

सूखा सहने योग्य धान (सहभागी किस्म) के सीधे बीज बोने का प्रदर्शन और मक्का (किस्म शक्तिमान -5) के माध्यम से चावल-गेहूं की फसल प्रणाली का विविधीकरण किया गया। इसके अलावा संभावित गर्मी और बाढ़ के तनाव से लड़ने में मदद करने के लिए पशुओं में खनिज मिश्रण और डिवर्मर्स (ऑक्साईक्लोज़नाइड और लेवामिसोल निलंबन) पर प्रदर्शन भी आयोजित किया गया।.

नर्सरी बढ़ाने और रखरखाव पर ऑनलाइन प्रशिक्षण:

कोरोना महामारी के कारण जीवन जोखिम कारक को देखते हुए , कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली,समस्तीपुर ने डॉ रेड्डीज फाउंडेशन के सहयोग से वर्षा ऋतु में धान की नर्सरी बढ़ाने पर किसानों के लिए व्यापक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। कुल मिलाकर समस्तीपुर जिले के विभिन्न गांवों की 73 महिलाओं सहित 903 प्रमुख किसानों को सूखे , बाढ़ और गर्मी के तनाव की बदलती परिस्थितियों में नर्सरी बढ़ाने और बनाए रखने के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र सरैया द्वारा मक्का कोब शेलिंग पर कार्य विधि प्रदर्शन

कांटी ब्लॉक के पखनाहा गाँव में **4** जून**, 2020** को कृषि विज्ञान केंद्र सरैया द्वारा इम्प्रूव्ड मक्का काब शेलर पर कार्य विधि प्रदर्शन किया गया**,** जिसमें **20** किसानों ने भाग लिया। यह मक्का काब शेलर केवल **15%** टूट के साथ पारंपरिक विधि की तुलना में चार गुना अधिक कुशल है। इसके अलावा**,** इसके प्रयोग से न केवल बरसात के मौसम के मद्देनजर मक्का को समय पर सुखाने और भंडारण के लिए इसके बालों की समय पर शेलिंग होगी बल्कि इस कार्य में महिलाओं की सश्रम भागीदारी को भी कम किया जा सकता है।

ट्यूबरोस पर फील्ड दिवस

कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली, समस्तीपुर द्वारा केजिया गांव में 28 मई, 2020 को फील्ड दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 10 से अधिक किसानों ने भाग लिया। क्षेत्र में फूलों की खेती और विपणन की संभावनाओं को देखते हुए , इस गांव में ट्यूबरोज पर फ्रंट लाइन डेमोंस्ट्रेशन का आयोजन किया गया। भाग लेने वाले किसानों ने अन्य किसानों और परिवर्तन एजेंटों के साथ अपने विचार और अनुभव साझा किए।

अन्य कोनों से समाचार (पुरस्कार, छात्र कल्याण गतिविधियाँ / खेल / एल्युमिनाइज़ / सांस्कृतिक उत्सव आदि)

पुरस्कार

डॉ कृष्ण कुमार , अधिष्ठाता, पंडित दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज ऑफ़ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, को फेलो ऑफ़ कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ हॉर्टिकल्चर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया(CHAI), नई दिल्ली 2019 से सम्मानित किया गया।

खेल / सह पाठयक्रम

एन.एस.एस. इकाइयों के स्वयंसेवकों ने , वैज्ञानिकों और डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने 21 जून 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस वर्ष योग @ होम के विषय के अनुपालन में, प्रतिभागियों ने अपने घर के अंदर ही योगाभ्यास किया।

संपर्क: www.rpcau.ac.in, publicationdivision@rpcau.ac.in
संकलन एवं संपादन .डॉ. (*राकेश मणि शर्मा, रत्नेश. कु. झा, पी. कु. प्रणव, अंकुर जामवाल, आशीष कु.पंडा, गुप्तनाथ त्रिवेदी*)
प्रकाशन: *प्रकाशन प्रभाग, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा*